एनएचपीसी में परिवेश (मैटरिलिटी) विश्लेषण

1.0 उद्देश्य:

परिवेश (मैटरिलिटी) ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और अभिशासन) जैसे उन विषयों को परिभाषित करने का सिद्धांत है जो कि किसी व्यवसाय और उसके हितधारकों के लिए सबसे अधिक महत्व के होते हैं । यह संधारणीयता प्रकटीकरण और कार्यनीति तैयार करने की दृष्टि से मूलभूत और अभिन्न पहलू है। एनएचपीसी की व्यावसायिक गतिविधियाँ और प्रचालन आंतरिक और बाहरी दोनों जोखिमों के प्रति अतिसंवेदनशील हैं, जो कि हमारी अल्प, मध्यम और दीर्घकालीन मूल्य सृजन की क्षमता को काफी हद तक प्रभावित कर सकते हैं। इस पहलू को स्वीकार करते हुए, एनएचपीसी उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) नीति स्थिरता के साथ संधारणीय व्यापार विकास सुनिश्चित करती है और उद्यम के जोखिमों की रिपोर्टिंग, मूल्यांकन और समाधान के लिए अधिक सक्रिय दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करती है।

एनएचपीसी दीर्घकाल में हितधारकों के लिए असाधारण मूल्य व्युत्पन्न करने हेतु प्रयासरत रहती है। इस प्रयास को पूरा करने के लिए हितधारकों की अपेक्षाओं की पहचान करना और उनका आकलन करना तथा महत्वपूर्ण विषयों को प्राथमिकता देना, विशिष्ट पर्यावरण, सामाजिक, अभिशासन और आर्थिक मुद्दों का सापेक्ष महत्व और हमारे व्यवसाय पर उनके प्रभाव पर अंतर्दृष्टि एकत्र करने के लिए महत्वपूर्ण है। यह कंपनी को हितधारकों के साथ खुली और पारदर्शी बातचीत के माध्यम से उनके भरोसे को बढ़ाने की दिशा में सतत मूल्य निर्माण के लिए एक व्यवस्थित रोडमैप बनाने हेतु सक्षम बनाता है। यह कंपनी को जोखिमों के प्रबंधन और अवसरों का लाभ लेने के लिए कार्यनीतियों की योजना बनाने में मदद करता है, जिसका परिणाम समग्र विकास होता है।

इस उद्देश्य के साथ, स्थिति का यह विवरण वर्तमान वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए एनएचपीसी के परिवेश आकलन को निर्धारित करता है।

2.0 वित्त वर्ष 2022-23 के लिए एनएचपीसी का परिवेश आकलन -

2.1 कार्यप्रणाली

इस सख्त और औपचारिक परिवेश आकलन की प्रक्रिया में आंतरिक और बाहरी हितधारक वार्ता शामिल हैं। परिवेश आकलन के लिए विशिष्ट चार चरणों वाली प्रक्रिया नीचे दी गई है:

विविध व्यापार पोर्टफोलियो और भारत भर में फैली इकाइयों वाला भारत सरकार का एक जिम्मेदार उद्यम होने के नाते एनएचपीसी के हितधारकों का स्वरूप काफी बड़ा है और इसमें सरकार और उसके सांविधिक निकाय, सुरक्षा धारक, ग्राहक, कर्मचारी, आपूर्तिकर्ता, ठेकेदार, स्थानीय समुदाय और बड़े पैमाने पर समाज शामिल हैं ,जो कि कंपनी के प्रचालन से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होते हैं।

बदलते बाजार की गतिशीलता और व्यापक हितधारकों की अपेक्षाओं के प्रभावों को समझने के लिए चालू वित्त वर्ष 2022-23 के लिए एनएचपीसी द्वारा एक डेस्क-आधारित परिवेश मूल्यांकन किया गया।

2.2 वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए परिवेश विषयों की पहचान:

2.2.1 एनएचपीसी उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम): एनएचपीसी की उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) नीति से प्रमुख विषयों को लिया गया है, जिसका व्यापक नीति ढांचा नीचे दिया गया है।

व्यापक नीतिगत ढांचा:

- एनएचपीसी की मौजूदा उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) नीति स्थिरता के साथ एक सतत व्यापार विकास सुनिश्चित करती है और जोखिम प्रबंधन के लिए एक संरचित और अनुशासित दृष्टिकोण स्थापित करके उद्यम जोखिमों की रिपोर्टिंग, मूल्यांकन और समाधान में एक अधिक सक्रिय दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करती है।
- एनएचपीसी उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) ढांचा कार्यनीतिक, वित्तीय, प्रचालन और अनुपालन संबन्धित जोखिमों की पहचान करने में मदद करता है। हमारे व्यापार मॉडल और अन्य मूल्य कारकों , जैसे राजस्व वृद्धि, मार्जिन और अपेक्षित पूंजी पर उनके महत्वपूर्ण प्रभाव के कारण ये जोखिम हमारी मूल्यांकन प्रक्रिया में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं।

- जोखिम प्रबंधन समिति, जोखिम मूल्यांकन समिति और जोखिम समन्वयक के अलावा एक जोखिम प्रकोष्ठ से युक्त एक सुपरिभाषित जोखिम प्रशासन तंत्र पूरे संगठन में जोखिम प्रबंधन के दृष्टिकोण को संप्रेषित करने का कार्य करता है।
- हमारे व्यापार के लिए प्रासंगिक बदलते जोखिम परिदृश्य के अनुरूप ईआरएम ढांचे की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है। सभी उपयोगकर्ताओं को वास्तविक समय आँकड़ो की पहुँच हेतु सक्षम बनाने के लिए आंतरिक रूप से डिज़ाइन किए गए ईआरएम पोर्टल के माध्यम से संबंधित जोखिम ओनर्स द्वारा जोखिम प्रबंधन पर आकड़े प्रस्तुत किए जाते हैं।

2.3.2 उपरोक्त के अलावा, एनएचपीसी के हितधारकों के लिए प्रासंगिकता के व्यापक विषय, पीयर्स बेंचमार्किंग, क्षेत्रीय मेगाट्रेंड, प्रासंगिक पूर्तिकारक कार्यनीतियों के साथ जोखिम परिप्रेक्ष्य आदि को भी इस आकलन के लिए ध्यान में रखा गया है।

2.4 सामग्री विषयों की प्राथमिकता, समीक्षा और वर्गीकरण

व्यावसायिक लक्ष्यों के निष्पादन बेहतर प्रबंधन के लिए व्यावसायिक कार्यनीतियों की स्थापना हेतु ईएसजी क्षेत्र में पहचान किए गए उपरोक्त प्रमुख सामग्री विषयों की प्राथमिकता निर्धारित की गई है। इसके अलावा, प्रासंगिक सामग्री विषयों की समीक्षा संबंधित विभागों /क्षेत्रीय कार्यालयों/पावर स्टेशनों/परियोजनाओं आदि तथा एनएचपीसी बिजनेस रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट (बीआरएसआर) तैयार करने व संबंधित कार्यों के लिए नियुक्त सलाहकार, मेसर्स केपीएमजी के साथ की गई थी। इस प्रक्रिया द्वारा एनएचपीसी के कार्यस्थलों में उच्च महत्व के प्रमुख सामग्री विषयों का वर्गीकरण किया गया है , जो कि अनुबंध पर दिया गया है।

परिवेश (मैटेरियलिटी) आकलन एक निरन्तर चलाने वाली प्रक्रिया है । इस प्रक्रिया में व्यावसायिक पोर्टफोलियो से संबंधित बदलते जोखिम परिदृश्य के अनुरूप नियमित अंतराल पर समीक्षा/आकलन किए जाने की आवश्यकता होती है। तदनुसार, निर्धारित मानकों/दिशानिर्देशों के अनुरूप बाह्य सलाहकारों/विशेष एजेंसियों के माध्यम एनएचपीसी वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए से एक औपचारिक भौतिकता मूल्यांकन करेगा।

***

वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) विषय

मुख्य सामग्री विषय, हमारे व्यवसाय पर इसका महत्व और इसके प्रभाव (जोखिम / अवसर) को कम करने / अधिकतम करने के लिए कार्य योजना के साथ प्रत्येक मुद्दे के संभावित प्रभावों को नीचे सारणीबद्ध किया गया है:

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
पर्यावरण					
1	**जलवायु परिवर्तन के प्रभाव**	**जोखिम (लागत, राजस्व, उत्पादकता)** **अवसर (नया व्यवसाय, व्यापार निरंतरता)**	एनएचपीसी का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के दीर्घकालिक प्रभाव के जोखिम को देखते हुए वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए उपयुक्त हस्तक्षेप की आवश्यकता है। जल हमारे संचालन का एक अनिवार्य हिस्सा है क्योंकि जलविद्युत परियोजनाएं जलाशय/तालाब में संग्रहीत पानी की संभावित ऊर्जा का उपयोग बिना जल की खपत किए बिजली पैदा करने के लिए करती	एनएचपीसी कार्बन फुटप्रिंट्स को कम करने की दिशा में लगातार बड़े कदम उठा रही है। पर्यावरणीय नेतृत्व के प्रति कंपनी के दृष्टिकोण उत्सर्जन में कमी, कुशल जल तथा ऊर्जा संरक्षण एवं अपशिष्ट में कमी संबंधी उपाय और पहल शामिल हैं और परिभाषित पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग में वृद्धि करना है।	व्यावसायिक गतिविधियों के कारण जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की दिशा में नीति निर्माताओं के अधिक ध्यान देने के साथ; एनएचपीसी हाइड्रो, पंप स्टोरेज

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
			हैं। जबकि बाढ़ या बादल फटने के रूप में अत्यधिक जल से परियोजना निर्माण गतिविधियों में बाधा उत्पन्न होने की संभावना होती है और इस प्रकार समय अधिक लग सकता है तथा कम वर्षा के कारण हमारे पावर स्टेशनों पर डिज़ाइन की गई क्षमता से कम उत्पादन हो सकता है, जिससे राजस्व की हानि होती है। हालांकि, एनएचपीसी इसे हमारे भविष्य की व्यावसायिक संभावनाओं के लिए एक अवसर के रूप में देखता है, क्योंकि हमारी मुख्य व्यावसायिक गतिविधियां हाइड्रो, सौर और पवन आदि जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से ऊर्जा उत्पादन पर निर्भर	हम हरित ऊर्जा सेगमेंट में निवेश करना जारी रखे हुए हैं जो हमारे ग्राहकों को उनके पर्यावरण फुटप्रिंट को कम करने के लिए सशक्त बनाता है।	और अन्य नवीकरणीय परियोजना विकास में नए व्यवसायों और निवेशों का पता लगाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
			करती हैं। व्यावसायिक गतिविधियों के कारण जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने की दिशा में नीति निर्माताओं द्वारा दिन-प्रतिदिन अधिक ध्यान दिया जा रहा है। इसलिए, एनएचपीसी भारत में जलविद्युत विकास में एक अग्रणी संगठन होने के नाते, न केवल अधिक नवीकरणीय ऊर्जा पैदा करके कार्बन उत्सर्जन को कम करने में एक बड़ी भूमिका निभा सकती है, बल्कि 2070 तक महत्वाकांक्षी नेट जीरो लक्ष्य को प्राप्त करने में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।		
2	**जैव विविधता**	**जोखिम(लागत, राजस्व,**	हमारे व्यवसाय में जैव विविधता का संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें हमारे	एनएचपीसी की कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति के अलावा, हम पर्यावरण संरक्षण,	एनएचपीसी वैधानिक

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
		उत्पादकता) अवसर (नया व्यवसाय, व्यापार निरंतरता)	अस्तित्व का आधार प्रदान करता है। यदि जैव विविधता के संरक्षण के लिए सक्रिय प्रयास नहीं किए जाते हैं तो विभिन्न परियोजना निर्माण गतिविधियाँ पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित कर सकती हैं। देश के नियामक ढांचे को भी पर्यावरण के संरक्षण और सुरक्षा के प्रयासों की आवश्यकता है। पर्यावरण जागरूकता और संबंधित उपायों की तुलना में जैव विविधता के संरक्षण के लिए उचित विचार के साथ व्यापार करने की प्रतिबद्धता स्थानीय मूल्यों और भावनाओं के साथ आसान संबंध के लिए मार्ग प्रशस्त करती है और इस प्रकार किसी भी क्षेत्र में	संरक्षण और प्रबंधन के संबंध में कानूनी/सांविधिक अनुपालन के अलावा कुछ प्रावधानों को शामिल करने के साथ जैव विविधता प्रबंधन पर नीति को लागू करने की प्रक्रिया में हैं।	आवश्यकताओं के अनुपालन से परे जैव विविधता के संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा/जागरूकता आदि के क्षेत्रों में किए गए अपने प्रयासों को प्रदर्शित करेगा, जो अंततः स्थानीय लोगों के साथ जुड़ने और परियोजना क्षेत्र में तथा उसके आसपास

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
			काम करने के लिए अनुकूल वातावरण की सुविधा प्रदान करती है। इस प्रकार, जैव विविधता चेतना को दूरस्थ/दूर-दराज के क्षेत्रों में व्यवसाय करने के अवसर के रूप में देखा जाता है।		परियोजना के तेज गति से विकास के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाने में मदद करेगा।
3	प्राकृतिक आपदा	जोखिम	जलविद्युत परियोजनाओं में निर्माण के दौरान एवं साथ ही प्रचलन के चरण में निर्माण क्षेत्र का बह जाना, निर्धारित क्षमता से अधिक बाढ़ के कारण पावर हाउस, बांध टूटना, उच्च तीव्रता का भूकंप, हाइड्रो मैकेनिकल उपकरणों को नुकसान, ढलान अस्थिरता, और अन्य भूगर्भीय मुद्दे जैसे चट्टान गिरना/भूस्खलन/बादल फटना/सुरंग का गिरना, आदि का जोखिम बना रहता है।	• आपातकालीन कार्य योजना जलाशय परिचालन दिशा-निर्देशों के साथ-साथ अन्य एसओपी (मानक संचालन प्रक्रियाएं), नियमावलियाँ बांध नियंत्रण कक्ष/पावर हाउस में उपलब्ध हैं • बैराज/बांध के अपस्ट्रीम में गेज और डिस्चार्ज साइटों की स्थापना और कैस्केड सिस्टम में अपस्ट्रीम	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
			,	परियोजनाओं/बिजली स्टेशनों के साथ समन्वय ताकि बाढ़ के बैराज/बांध/जलाशय स्थलों तक पहुंचने से पहले प्रवाह की पर्याप्त पूर्व सूचना हो। • नियोजित/अनियोजित जलाशय फ्लशिंग ऑपरेशन के दौरान और जब भी पावर हाउस को पूरी तरह से बंद करने की आवश्यकता होती है एचआरटी और टीआरटी गेट्स/ड्राफ्ट ट्यूब गेट्स के इंटेक गेट्स को बंद करना । • जहां भी आवश्यक/जरूरी है अग्रिम बाढ़ चेतावनी प्रणाली	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
				स्थापित की गई है। • बांध की मजबूती की स्थिति के संबंध में बांध सुरक्षा टीम द्वारा मानसून पूर्व और बाद में निरीक्षण किया जाता है और उनके उपचारात्मक उपायों को लागू किया जाता है। • परियोजना पर उनके प्रभाव का आकलन करके सभी प्राकृतिक आपदाओं के जोखिम को कम करने के लिए आवश्यक डिजाइन संबंधी उपाय किए जाते हैं। • आपदा के समय कर्मियों को	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
				उनकी जिम्मेदारियों हेतु प्रशिक्षित करने के लिए समय-समय पर आपातकालीन प्रतिक्रिया अभ्यास (ड्रिल) आयोजित किए जाते हैं। • परियोजनाओं/पावर स्टेशनों पर आपातकालीन प्रतिक्रिया उपाय जैसे तत्काल चिकित्सा सहायता और एम्बुलेंस सुविधाएं उपलब्ध हैं। • बांध स्थल या आसपास के किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर भूकंपीय निगरानी सुविधाएं स्थापित की जाएं।	
4	आपदा	जोखिम	• हालांकि विस्तृत क्षेत्र जांच के माध्यम से,	• जिम्मेदारी सौंपने के साथ प्रत्येक स्थान	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
	प्रबंधन		यह सुनिश्चित किया जाता है कि बांध एक मजबूत नींव पर स्थापित किया गया है, जिसे उपयुक्त भूकंपीय डिजाइन मापदंडों के लिए डिज़ाइन किया गया है, और सीईए/ सीडब्ल्यूसी/ जीएसआई/ सीएसएमआरएस, आदि जैसी विभिन्न तकनीकी एजेंसियों द्वारा विधिवत जांच/सहमति प्राप्त की गई है। फिर भी अप्रत्याशित घटना के कुछ कारकों को देखते हुए, निर्माण के साथ-साथ प्रचालन चरण के दौरान जलविद्युत परियोजनाओं के मामले में आपदा की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।	के लिए आपदा प्रबंधन/आपातकालीन कार्य योजना मौजूद है और कॉर्पोरेट कार्यालय में मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए एक नोडल आपदा प्रबंधन समिति का गठन किया गया है। • प्रत्येक परियोजना को विशेष रूप से नवीनतम उपलब्ध साइट डेटा और अत्याधुनिक तकनीकों के साथ की गई जांच के साथ डिज़ाइन किया गया है। • सभी कोडल आवश्यकताओं को पूरा किया जाता है और दुनिया भर में सर्वोत्तम प्रथाओं को परियोजना डिजाइन में अपनाया जाता है। परियोजना के मापदंडों की जांच और	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
			• इसके अलावा, जलविद्युत परियोजनाओं/स्टेशनों में आग के कारण संरचनाओं और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को नुकसान का जोखिम, डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में अचानक पानी के छोड़े जाने के कारण मानव और पशु जीवन, सामग्री, मशीनरी आदि की हानि का जोखिम भी जुड़ा हुआ है।	पुनरीक्षा विशेष एजेंसियों जैसे सीईए, सीडब्ल्यूसी, जीएसआई, सीएसएमआरएस आदि द्वारा की जाती है। • आपदा प्रबंधन योजना के साथ-साथ बांध टूटने के विश्लेषण और अनुकरण आधारित बाढ़ योजना प्रत्येक परियोजना के लिए स्पष्ट रूप से तैयार की जाती है और नियमित रूप से अद्यतन की जाती है। • बांध के डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में किसी भी संभावित घटना की तैयारी के लिए सभी पावर स्टेशनों पर मॉक ड्रिल और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
				जाते हैं। • आग से सुरक्षा के लिए, प्रशिक्षण/जागरूकता/मॉक ड्रिल कार्यक्रम, आपातकालीन प्रतिक्रिया उपायों आदि के लिए एसओपी के अलावा विभिन्न उपचारात्मक उपायों और घटना के बाद के शमन उपायों को शामिल करते हुए एक अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम (एफपीपी) मौजूद है। • बाढ़ के दौरान बांध एवं पावर हाउस से डाउनस्ट्रीम में पानी के अचानक छोड़े जाने के दौरान सुरक्षा की दिशा में, एनएचपीसी निर्धारित एसओपी के अनुसार विभिन्न उपाय करता है,	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
				जिसमें डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थानों पर सायरन और स्थायी नोटिस बोर्ड स्थापित करना, मानसून अवधि और जलाशय फ्लशिंग के दौरान स्पीकर आदि द्वारा पूर्व-घोषणाएं स्थानीय प्राधिकारियों के साथ व्यापक संचार प्रणाली शामिल है।	
5	**अपशिष्ट प्रबंधन**	जोखिम	विभिन्न स्थलों पर उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट (खतरनाक और गैर-खतरनाक) का, यदि अनुचित तरीके से संभाला/निपटान किया जाता है, तो कंपनी के लिए 'नियामक प्रभाव' को का कारण बन सकता है।	• उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट (खतरनाक और गैर-खतरनाक) को नियामक प्राधिकरणों द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार अनुमोदित एजेंसियों/ मानक प्रथा का अनुपालन करते हुए साथ उचित रूप से संभाला और निपटाया जाता है।	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
				• घरेलू, बायो-मेडिकल और इलेक्ट्रॉनिक कचरे के प्रबंधन के लिए विशिष्ट दिशानिर्देश और प्रणालियां स्थापित की गईं। • ई-प्लेटफॉर्म पर नीलामी के माध्यम से स्क्रैप और रिसाइकिल योग्य कचरे का प्रबंधन किया जाता है।	
समाज					
1	सामुदायिक संबंध और जुड़ाव	जोखिम	एनएचपीसी इस तथ्य से सहमत है कि कुछ समुदाय अर्थात परियोजना प्रभावित परिवार, भूस्वामी आदि आर्थिक और आर्थिक क्षेत्रों में हमारे परिचालनों के पूरे जीवन में नकारात्मक रूप से प्रभावित होते हैं।	हमने भूस्वामियों के साथ परामर्श करने का अधिक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाया है, जिस पर ध्यान केंद्रित किया गया है हमारे प्रयासों को बढ़ाना और व्यापार और समुदाय यानी दोनों के लिए निरंतर	--

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
			यह न केवल हमारे प्रचालन के लिए आवश्यक संसाधनों को पकड़ने की हमारी क्षमता से जुड़ा हुआ है, बल्कि आवश्यक पूंजी भी है। जल विद्युत परियोजनाओं में, प्रत्येक स्थान पर सांस्कृतिक और आर्थिक मूल्यों का एक अलग सेट होता है, जो स्थानीय समुदायों द्वारा हम पर निर्धारित अपेक्षाओं को प्रभावित करता है। जल विद्युत परियोजना विकास के लिए परियोजना क्षेत्र में अनुकूल और बाधा मुक्त वातावरण के लिए, इन समुदायों की ऐसी सभी अपेक्षाओं को पूरा करना और हमारे सभी स्थलों पर सामुदायिक जुड़ाव प्रथाओं के उच्च मानकों को नियोजित करने वाले विश्वास स्तरों को पाटना अत्यंत	मूल्य उत्पन्न करने की प्रतिबद्धता बनाना। इन प्रथाओं में एकीकृत भूमि उपयोग योजना शामिल है; समुदाय का प्रशिक्षण और उन्नयन; समुदाय के साथ हमारे संबंधों में सांस्कृतिक मूल्यों और उनके एकीकरण पर अत्यधिक महत्व देना; स्थानीय रोजगार और सोर्सिंग को प्रोत्साहित करना, जिससे आर एंड आर और अन्य वैधानिक अनुपालनों के अलावा उनकी आजीविका में सुधार हुआ। इसके अलावा, इस जोखिम के शमन के प्रति हमारा दृष्टिकोण है: • कंपनी अधिनियम, 2013 और लोक	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
			आवश्यक है।	उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशानिर्देशों के अनुरूप प्रत्येक पावर स्टेशन/परियोजना स्तर पर सीएसआर कुंजी समुदाय आधारित कार्यक्रम के लिए समर्पित सीएसआर नीति • हमारे केंद्रबिन्दु में स्वास्थ्य, खेल, स्वच्छता, जल, कौशल विकास और शिक्षा क्षेत्र शामिल हैं। • कंपनी अधिनियम, 2013 और लोक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशानिर्देशों के अनुरूप प्रत्येक पावर स्टेशन/परियोजना स्तर पर सीएसआर कुंजी समुदाय आधारित	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
				कार्यक्रम के लिए समर्पित सीएसआर नीति • हमारे केंद्रबिन्दु में स्वास्थ्य, खेल, स्वच्छता, जल, कौशल विकास और शिक्षा क्षेत्र शामिल हैं। • सीएसआर कार्य स्थानीय लोगों के सहयोग से किए जाते हैं। • एनएचपीसी लगातार सीएसआर पर निर्धारित सीमा अर्थात पिछले 3 वर्षों के पीएटी के औसत का 2% से अधिक से ऊपर और अधिक खर्च कर रहा है।	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
2	कर्मचारी स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण	जोखिम	हमारी गतिविधियों / प्रचालन में कई बार खतरनाक / दुर्घटना संभावित प्रक्रियाएं शामिल होती हैं, जो हमारे 'कार्यबल और 'आसपास के' पर्यावरण को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती हैं।	• सुरक्षा को एनएचपीसी के मूल मूल्यों में शामिल किया गया है। • सुदृढ़ सुरक्षा संस्कृति और नीति स्थापित करके घटनाओं को शून्य करने का लक्ष्य • कार्य वातावरण को सुरक्षित और स्वास्थ्यकारी बनाने के लिए संचालन प्रक्रियाओं का उन्नतीकरण और नियमित जागरूकता कार्यक्रम / प्रशिक्षण आयोजित करना • नई प्रौद्योगिकियों और व्यावसायिक क्षेत्रों में विविधीकरण के कारण संभावित सुरक्षा खतरों का पता लगाना	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
				• सभी कर्मचारियों और ठेका मजदूरों के लिए अनिवार्य नियतकालिक पेशेवर स्वास्थ्य जांच • कर्मचारियों और उनके परिवार के चिकित्सावृत्त का ऑनलाइन केंद्रीकृत पोर्टल के माध्यम से रिकॉर्ड रखना	
3	विकास सह मानव संसाधन प्रबंधन	जोखिम और अवसर	व्यापार प्रणाली में कर्मचारी महत्वपूर्ण आधार हैं। मानव संसाधन प्रबंधन में किसी भी खामी से उत्पादकता का नुकसान हो सकता है, जिससे परिणामस्वरूप व्यवसाय का संचालन और उससे होने वाले लाभ प्रभावित हो सकते है। उसी प्रकार से, सक्सेसन योजना का अभाव, जनशक्ति का पलायन और मुख्य योग्यता के विकास में भी	• कंपनी में विभिन्न स्तरों पर कार्मिकों की भर्ती के लिए उचित भर्ती नीति है । • समय-समय पर मुआवजे के संशोधन के लिए उचित मूल्यांकन प्रणाली विकसित की गई है और इसका पालन किया जाता है। कर्मचारियों को विभिन्न क्षेत्रों में अपने कौशल को उन्नत करने	• व्यवसाय वृद्धि और सुव्यवस्थित कर्मचारी विकास के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए मानव संसाधन

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
			बाधा उत्पन्न हो सकती है जिससे हमारे व्यापार विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड सकता है। समानांतर में, एक ऐसी संस्कृति को बनाए रखना जो सुरक्षित है, विविध और कर्मचारियों के नियोजन में उन्नत है, यह हमें पसंद का नियोक्ता बना सकता है। हम यह भी समझते हैं कि एक खुले और विश्वसनीय वातावरण में हमारे कर्मचारी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं । निरंतर बदलते परिदृश्य के साथ नीतिगत वातावरण, प्रतिस्पर्धा, सर्वोत्तम आचरण, प्रौद्योगिकी उन्नतिकरण आदि के साथ हमारे मानव संसाधन को बदलते परिदृश्य के साथ	का अवसर प्रदान करने के लिए नियमित अंतराल पर प्रशिक्षित किया जाता है। • श्रम समस्याओं को बातचीत और सुलह द्वारा दूर किया जाता है। • कर्मचारियों के कल्याण से संबंधित गतिविधियाँ लागू की जाती हैं । • कर्मचारियों को सुझाव देने और अपने वरिष्ठों के साथ समस्याओं पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। • जनशक्ति नियोजन/मूल्यांकन और उत्तराधिकार योजना पर कार्यवाही	प्रणालियों को लगातार रीइंजीनियरिंग करना • नियमित नियोजन संबंधी गतिविधियां और प्रशिक्षण कार्यक्रमों • कर्मचारियों को उनके क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर विकास में सहायता करने के

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
			अद्यतन रखना आवश्यक है, ताकि वे खुद को विकसित कर सकें और उत्तरोत्तर अच्छा प्रदर्शन कर सकें, भविष्य के लिए तैयार हो सकें, और प्रभावी ढंग से तथा समय पर अपने कर्तव्यों को निभा सकें। उद्योगों की नवीनतम तकनीकों या विकसित उद्योग की मांगों / अंतर्राष्ट्रीय मानकों की जानकारी से कर्मचारियों को अद्यतन रहना आवश्यक है इस तरह के प्रशिक्षणों की कमी व्यापार विकास की धीमी गति का कारण बन सकती है। दूसरी ओर, कर्मचारी के साथ अच्छी तरह से डिज़ाइन / नियोजित प्रशिक्षण और कार्य-विशिष्ट आवश्यकताएं, व्यावसायिक लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से और यहां तक कि	कर्मचारियों से संबंधित स्तरों को स्थापित करने के लिए की जाती है और अपेक्षित मानव पूंजी संसाधनों की पहचान, पर्याप्त दक्षताओं और इन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक कार्यनीतियों के विकास के लिए एक व्यवस्थित प्रक्रिया का पालन किया जाता है।	लिए व्यवस्थित सेवा चक्रानुक्रम और कैरियर विकास योजना • प्रति कर्मचारी अनिवार्य प्रशिक्षण घंटे परिभाषित किए गए हैं और कर्मचारियों की मुख्य दक्षताओं को विकसित करने के लिए समय-समय पर

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
			तेजी से प्राप्त करने के लिए गति देने का अवसर होगा।		प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की समीक्षा और संशोधन किया जाता है। • सभी संगठनात्मक भूमिकाओं हेतु प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को डिजाइन करने के लिए प्रशिक्षण आवश्यकता विश्लेषण किया

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
					जाता है।
				• व्यक्तिगत/समूह प्रदर्शन के आधार पर निष्पादन संबंधी प्रोत्साहन के साथ वित्तीय/गैर-वित्तीय पुरस्कार एवं सम्मान प्रणाली माध्यम से विभिन्न तंत्र अपनाए गए हैं, जिससे संगठनात्मक उत्पादकता में वृद्धि होती है, कर्मचारियों की रचनात्मकता/क्षमता को निखारने के लिए प्रणालियों का निर्माण होता है। यह कर्मचारियों की अधिकतम संतुष्टि प्राप्त करने और कर्मचारी के नौकरी छोड़ने पर रोक लगाने के उद्देश्य को पूरा करती है । • मानव संसाधन उपकरण जैसे कर्मचारी	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
				संतुष्टि सर्वेक्षण, निगम से सेवामुक्त होने पर साक्षात्कार और बाहरी बेंचमार्क अध्ययन आदि के माध्यम से एक कंपनीव्यापी प्रतिधारण नीति को तैयार और लागू किया जाता है जो कि व्यावसायिक कौशल की हानि को रोकने और नौकरी छोड़ने की प्रक्रिया को जाँचने में अपनाई जाती है।	
4	श्रम प्रबंधन	जोखिम	श्रम प्रबंधन से जुड़े जोखिम निम्नलिखित हैं: • श्रम कारोबार जोखिम के अंतर्गत प्रतिस्थापन जोखिम, प्रशिक्षण जोखिम, कौशल विकास आदि शामिल हैं। • हड़तालों और तालाबंदी के कारण	• मजदूरी निर्धारण, कार्यों के आवंटन, शिफ्ट और काम के घंटे, प्रशिक्षण के प्रावधान, प्रोत्साहन और पुरस्कार योजनाओं और पेशेवर स्वास्थ्य और सुरक्षा मानकों से संबंधित सर्वोत्तम मानकों को बनाए रखें	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
			अशांति का खतरा। • ठेकेदार की श्रमिक समस्याओं के कारण कार्य रोकना। ये हमारी व्यावसायिक गतिविधियों को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं और निर्माण गतिविधियों में बाधाओं के कारण समय और लागत में वृद्धि का कारण बन सकते हैं।	• बिना किसी भेदभाव के सभी प्रकार के संगठनात्मक अधिकारों और सभी के लिए समान अवसरों को बढ़ावा देने और जनशक्ति को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध मानवाधिकार नीति, समान अवसर नीति विकसित की जा रही है • समय पर श्रम भुगतान और निगरानी सुनिश्चित करने के लिए "अनुबंध श्रम भुगतान प्रबंधन (सीएलपीएम)" नामक ऑनलाइन पोर्टल लागू किया गया।	
5	सामाजिक राजनीतिक मामले	जोखिम	जल विद्युत विकास में भूमि अधिग्रहण और आर एण्ड आर के मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। कभी-कभी, यह इतना बड़ा मुद्दा बन जाता है कि	• परामर्शी और समुदाय-केंद्रित दृष्टिकोण से स्थानीय आबादी के दावों का सम्मान किया जाता है, और भूमि	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
			परियोजना के विकास में देरी हो जाती है जिससे समय और लागत बढ़ जाती है या यहां तक परियोजना का कार्य रुक जाता है जिस कारण से परियोजना विकासकर्ता को इसे छोड़ना पड़ता है ।	पर उनके पारंपरिक अधिकारों को मान्यता दी जाती है। • मौजूदा नीतियों/अधिनियमों /दिशानिर्देशों के अनुरूप हितधारकों के परामर्श से संबंधित राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित आर एण्ड आर योजना के अनुसार परियोजना प्रभावित परिवारों (पीएएफ) को पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (आर एंड आर) लाभ। • वर्तमान कानूनों/नीतियों के अनुसार आर एण्ड आर योजना के प्रभावी कार्यान्वयन और निगरानी के लिए राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
				के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए परियोजना स्तर पर सामुदायिक संबंध प्रकोष्ठों का गठन किया जाता है। • आवश्यकता आधारित सामुदायिक और सामाजिक विकास योजना के माध्यम से परियोजना क्षेत्रों में और उसके आसपास संपर्क सड़कों, सामुदायिक भवनों, स्वास्थ्य और स्वच्छता सुविधाओं, जल आपूर्ति, छात्रों/उद्यमिता/ कौशल विकास आदि को प्रोत्साहित करने के कार्यक्रमों सहित सामाजिक और सामुदायिक विकास किया जाता है । • स्थानीय रूप से उपलब्ध कुशल और	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
				रोजगार योग्य लोगों का एक बड़ा पूल बनाया जाता है और ताकि परियोजना से उन्हें रोजगार मिलेगा। इससे भूमि अधिग्रहण के लिए स्थानीय लोगों द्वारा कम प्रतिरोध जताया जाना सुनिश्चित किया जाता है । • परियोजना प्रभावित परिवारों (पीएएफ) की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए उपाय	
6	मानवाधिकार	अवसर	हम मानवाधिकारों को हमारे आंतरिक और बाहरी हितधारकों के लिए इसके महत्व को देखते हुए एक महत्वपूर्ण विषय मानते हैं। कार्यबल में विविधता (लिंग, विशेष क्षमता) के परिणामस्वरूप बेहतर निर्णय लिए जा	• बाल या जबरन श्रम में लिप्त न होकर, मानव तस्करी से बचकर और प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से व्यावसायिक गतिविधियों में उत्पीड़न और भेदभाव को समाप्त करके अधिकारों का	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
			सकते हैं और उच्च उत्पादकता प्राप्त होती है। हमारा मानना है कि कार्यबल विविधता एक व्यावसायिक अनिवार्यता है और हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं कि कार्यबल में समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व हो।	सम्मान करें। • यह सुनिश्चित करना कि कर्मचारियों की विधिक अपेक्षाओं के बराबर या उससे अधिक मजदूरी दी जाती है • बाल श्रम, जबरन मजदूरी आदि को प्रतिबंधित करने के लिए नीतियों और प्रक्रियाओं को लागू करना। • कर्मचारी शिकायत निवारण तंत्र, सामूहिक सौदेबाजी और अनुबंध श्रम प्रबंधन के लिए मजबूत प्रकोष्ठ प्रणाली है?	
अभिशासन					
1	व्यापार की	प्रतिबद्धता	एनएचपीसी में जवाबदेही और पारदर्शिता	एनएचपीसी में, आचार संहिता, व्हिसल	--

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
	आचार संहिता एवं सत्यनिष्ठा		को सर्वोच्च सम्मान दिया जाता है । हमारा शीर्ष नेतृत्व नैतिक और पारदर्शी व्यवहार के लिए आचार संहिता के अनुपालन को बढ़ावा देने और सुनिश्चित करने के साथ-साथ हमारे विजन में इसके एकीकरण के लिए प्रतिबद्ध है ।	ब्लोअर, शिकायत निवारण तंत्र और व्यावसायिक व्यवहार पर प्रतिबंध आदि संबंधी नीतियां लागू हैं । हम पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त कार्य वातावरण सुनिश्चित करने वाले कानूनों और विनियमों का 100% अनुपालन करने की दिशा में भी प्रयासरत हैं ।	
2	**विनियामक अनुपालन**	**जोखिम**	हमारे प्रचालन के लिए विनियामक अनुपालन अत्यधिक आवश्यक हैं और इस प्रकार प्रचालन के लिए सामाजिक लाइसेंस को धारण करने में सक्षम हैं । भारत सरकार का एक उद्यम होने के नाते, हम अपने कार्यस्थल पर विनियामक मानदंडों का अनुपालन करने के लिए	• व्यापार का सुचारू और कुशल संचालन के लिए मजबूत आंतरिक प्रणालियां और प्रक्रियाएं मौजूद हैं । • हमारी प्रणालियों को विनियामक अनुपालन सुनिश्चित करने और कॉर्पोरेट अभिशासन के उच्चतम स्तर को बनाए रखने के लिए बनाया गया है	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
			अत्यधिक जिम्मेदार हैं, क्योंकि इसका अनुपालन न करने से निगम की छवि धूमिल होगी, जिससे व्यापार और राजस्व की हानि होगी । जलविद्युत परियोजनाओं में राज्य/केंद्र सरकार द्वारा विनियामक अप्रत्याशित रूप से अधिक परिवर्तन होते रहते हैं क्योंकि उनके परिणामस्वरूप परियोजना का समय और लागत बढ़ सकती है और/या वित्तीय हानि हो सकती है ।	। • एनएचपीसी के सभी स्टेशन ISO14001:2015 से प्रमाणित हैं और इसलिए प्रमाणन एजेंसियों द्वारा पर्यावरण प्रणालियों का समय-समय पर बाह्य लेखापरीक्षा किया जाता है । संशोधन नियमों के अनुसार आंतरिक प्रक्रियाओं का नियमित अद्यतन । • सकारात्मक संबंध बनाए रखने के लिए केंद्र/राज्य सरकार के साथ सक्रिय रूप से संपर्क करके यह सुनिश्चित करना कि इस तरह के विनियामक परिवर्तनों से पहले चर्चा होती है और अंतिम अधिसूचना/ऐसे परिवर्तनों को	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
				जारी करने से पहले हमारी चिंताओं/आरक्षणों के संबंध में अच्छी तरह से विचार किया जाता है।	
3	कानूनी जोखिम और संविदात्मक विवाद	जोखिम	जलविद्युत परियोजनाएं स्थल विशिष्ट और पूंजी प्रधान होती हैं । इसके अलावा, इनमें विशाल कार्य क्षेत्र और लंबी निर्माण अवधि होती हैं। परियोजना के निर्माण के किसी भी मध्यवर्ती चरण में कोई भी संविदात्मक विवाद, यदि समय पर नहीं सुलझाया जाता है, तो परियोजना के समय और लागत में वृद्धि के कारण असाधारण देरी हो सकती है। संविदाकारों द्वारा शुरू किए गए दावों के कारण वित्तीय हानि भी हो सकती है । • कानूनी जोखिम निम्नलिखित से	• कंपनी के संचालन पर उचित नियंत्रण और किसी भी धोखाधड़ी का पता लगाने के लिए आंतरिक नियंत्रण प्रणाली • सुचारू और कुशल रूप से व्यावसायिक गतिविधियाँ रूप से चलने के लिए सुदृढ़ आंतरिक प्रणालियां और प्रक्रियाएं मौजूद हैं • प्रारंभिक स्तर पर ही संविदात्मक विवादों को कम करने/ निपटान करने	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
			संबंधित हैं: • संविदा जोखिम • संविदात्मक दायित्व • धोखाधड़ी • न्यायिक जोखिम • बीमा जोखिम	के लिए स्वतंत्र इंजीनियरों (आई.ई) के माध्यम से विवाद निवारण तंत्र। • विवादों का शीघ्र एवं और प्रभावी समाधान के लिए बेहतर विवाद समाधान तंत्र • संविदात्मक दावों आदि के प्रभावी और समय पर निपटान के लिए आंतरिक दिशानिर्देश और प्रक्रियाएं निर्धारित की गईं। • सरकार/सीवीसी के दिशा-निर्देशों का सच्ची भावना से अनुपालन।	
4	नकदी (लिक्विडिटी)	जोखिम	जलविद्युत परियोजनाओं में अधिक पूंजी और उच्च प्रारंभिक निवेश लागत और लंबी	• एनएचपीसी के भीतर उपयुक्त स्तरों पर चर्चा की गई विस्तृत व्यावसायिक	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
			अवधि और भुगतान वापसी अवधि होती हैं। किसी भी तरह की देरी और इसके परिणामस्वरूप कुछ अनियंत्रित मुद्दों के कारण परियोजना विकास गतिविधियों का लंबे समय तक रुकना समय और लागत में वृद्धि का कारण बन सकता है, इससे परियोजना लागत में और वृद्धि होती है और इस प्रकार ऋण का हिस्सा भी परियोजना से बिना किसी इच्छित रिटर्न के जमा हो जाता है। इसमें निम्नलिखित जोखिम शामिल हैं: • वित्तीय शोधन क्षमता और नकदी जोखिम • उधार लेने की सीमा	योजनाओं को वार्षिक वित्तीय योजना में उचित स्थान दिया गया है। • वार्षिक और त्रैमासिक बजट तैयार किया जाता है और इसे विस्तृत चर्चा और मान्यताओं, मापदंडों की प्रकृति और गुणवत्ता के विश्लेषण के लिए प्रबंधन को प्रस्तुत किया जाता है। • ब्याज के अनुचित हानि को रोकने और प्रभावी तरीके से नकदी का उपयोग करने के लिए वरिष्ठ स्तर पर दैनिक और मासिक नकदी प्रवाह तैयार किए जाते हैं, और उनका अनुपालन एवं निगरानी की जाती है। • विदेशी मुद्रा लेनदेन के लिए	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
			• नकद प्रबंधन जोखिम	एक्सपोजर को एलसी और 'बैंक गारंटी और दरों आदि में अनुचित उतार-चढ़ाव से बचाने के लिए कदमों का समर्थन किया जाता है ।	
5	प्रचालन दक्षता और संयंत्र उपलब्धता	जोखिम	जल विद्युत संयंत्रों को उनकी अंतर्निहित क्षमताओं के कारण ग्रिड स्थिरता और सहायक सहायता सेवाओं के लिए जाना जाता है । जलविद्युत स्टेशनों की उत्पादन इकाइयों की प्रचालन विश्वसनीयता ऐसी है कि जब भी ग्रिड में विद्युत की मांग हो, यह विद्युत उत्पादन के लिए उपलब्ध हो । जलविद्युत स्टेशनों के प्रचालन और रखरखाव का उद्देश्य विद्युत यूटिलिटी के सुचारू प्रचालन स्तर को सुनिश्चित करके	• नई प्रौद्योगिकी को अपनाने के माध्यम से परिचालन दक्षता में सुधार । • सर्वोत्तम प्रचालन और रखरखाव (ओ एंड एम) प्रथाओं को अपनाना और इनकी समय-समय पर समीक्षा करना। • बेहतर रखरखाव और डेटा एनालिटिक्स तकनीकों और उचित इन्वेंट्री प्रबंधन के माध्यम से संयंत्र की उपलब्धता बढ़ाना।	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
			विफलता दर को कम करना है। उपकरणों की अपर्याप्त/समय पर उपलब्धता की कमी और सिविल/एचएम अनुरक्षण अभ्यास के परिणामस्वरूप बार-बार उपकरण खराब होने के कारण विद्युत उत्पादन में कमी आती है और इससे वित्तीय हानि हो सकती है। इसी तरह, उपकरण रखरखाव, निवारक रखरखाव कार्यक्रम की अनुचित ट्रैकिंग से अनियोजित शटडाउन का खतरा बढ़ जाता है जिससे वित्तीय हानि हो सकती है।	• वर्तमान प्रणालियों में सुधार और कार्यबल को कार्य विशेष प्रशिक्षण प्रदान करना। • अनुसंधान और नवाचार गतिविधियों के लिए प्रतिष्ठित अकादमिक/औद्योगिक संस्थानों के साथ मिलकर काम करना • विद्युत उत्पादन में ब्रेकडाउन हानि को कम करने के लिए पुर्जों के लिए वार्षिक निवारक रखरखाव और न्यूनतम इन्वेंट्री योजना का अनुपालन करना। • विद्युत उत्पादन हानि को कम करने	

क्र. सं.	पहचान किए गए महत्वपूर्ण (मेटेरियल) मुद्दे	व्यापार के लिए महत्व (आर /ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, जोखिम को अनुकूल या कम करने का दृष्टिकोण	अवसर के मामले में इसके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए दृष्टिकोण
				के लिए तत्काल बहाली/उपचार उपायों के लिए विभिन्न आपातकालीन कार्यों के लिए उपयुक्त संविदाकारों और विक्रेताओं की पहचान की जाती है। • सभी संयंत्रों में उपकरणों के समय पर निवारक रखरखाव के लिए ओईएम दिशानिर्देशों के अनुसार सख्त अनुपालन सुनिश्चित करना।	

****